

p>

Title:Need to take steps for conservation and promotion of Mithila Institute of Post Graduate Studies and Research in Sanskrit Learning in Darbhanga, Bihar- Laid

श्री गोपाल जी ठाकुर (दरभंगा): मैं सरकार का ध्यान अपने निर्वाचन क्षेत्र में मिथिलंचल की हृदयस्थली दरभंगा अवस्थित एक समृद्ध, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व वाले साहित्यिक एवं शैक्षणिक संस्थान मिथिला संस्कृत स्नातकोत्तर अध्ययन एवं शोध संस्थान की ओर दिलाना चाहता हूँ । 62 बीघे विशाल भूखण्ड परिसर में अवस्थित यह संस्थान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दृष्टि से महत्वपूर्ण है । विश्व की सबसे पुरानी भाषा संस्कृत के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए स्थापित इस संस्थान की आधारशिला 1951 में प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेंद्र प्रसाद ने रखी थी । मैं भारत सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ । हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी और गृहमंत्री आदरणीय अमित शाह जी संस्कृत साहित्य के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए कृतसंकल्प हैं । भारत सरकार से अनुरोध है कि अंतर्राष्ट्रीय महत्व के इस संस्थान के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए पहल करें ।